एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र वेल्लनिककारा, त्रिशूर

हिंदी पखवाड़ा उत्सव

हिंदी पखवाड़ा समारोह के अलावा, इस स्टेशन पर 14/09/2022 को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी नौ स्टाफ सदस्यों, एसआरएफ, परियोजना सहायकों की सक्रिय भागीदारी थी। प्रारंभ में, डॉ. एम लता, प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी अधिकारी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया।डॉ. सुमा ए ने वर्ष 2021-22 का हिंदी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. बेरिन पाथ्रोस, निदेशक (योजना), केरल कृषि विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे और उन्होंने "आज के जीवन में हिंदी भाषा के महत्व" पर एक व्याख्यान दिया। बैठक डॉ पीपी थिरुमलासामी द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई।

स्थापित: 1977
कृषि क्षेत्र: 10.4 हेक्टेयर।
अक्षांश: 10.50'एन
देशांतर: 76.20'E

पहुंच: त्रिशूर रेलवे स्टेशन से 13 किमी और कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 60 किमी

क्षेत्राधिकार: केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा और पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के केंद्र शासित प्रदेश

मन्नुथी-चिरक्ककोड रोड पर फ्रूट क्रॉप्स रिसर्च स्टेशन के पास केरल कृषि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्थित है।

हरित क्रांति के नकारात्मक परिणाम के रूप में हमारी खेती की फसल का अनुवंशिक क्षरण 1960 के दशक में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के साथ-साथ भारत के अन्य हिस्सों में भी महसूस किया गया था। पश्चिमी घाट कृषि-जैव विविधता सहित जैव विविधता के गर्म स्थानों में से एक है, आईसीएआर ने दक्षिणी आर्द्र प्रायद्वीप की पीजीआर संरक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एनबीपीजीआर का एक क्षेत्रीय स्टेशन खोलना बहुत महत्वपूर्ण महसूस किया। श्री। टीए थॉमस, तत्कालीन मूल्यांकन विभाग के प्रमुख को

केएयू के साथ जुड़ने और एक खेत विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई थी। अप्रैल 1977 को ही वे 10 हेक्टेयर भूमि प्राप्त करने में सफल रहे। केयू से भूमि और एक खेत विकसित करना, जहां उन्होंने पूरे भारत से इकट्ठा किए गए प्रकंद मसालों के जर्मप्लाज्म और उष्णकटिबंधीय कंद फसलों के जर्मप्लाज्म को लगाया।

अधिदेशित फसलें: चावल, कुलथी, तिल, कटहल, आम, ऐश लौकी, करेला, पत्तेदार चौलाई, भिंडी, कद्दू, यम, काली मिर्च, कोकम और मालाबार इमली, एबेलमोशस की जंगली प्रजातियाँ, चौलाई, कजनस, दालचीनी, कुकुमिस, करकुमा, डिओस्कोरेय, मोमोर्डिका, पाइपर, सीसामुन, सोलन्यूम, त्रिचोसांथीस, विगना एवं जिंगबेर, और अन्य आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियाँ।

जर्मप्लाज्म अन्वेषण और संग्रह: 1978 से 2022 तक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1366 नमूने), आंध्र प्रदेश (146), अरुणाचल प्रदेश (60), असम (203), गोवा (237), गुजरात से 262 मिशनों में कुल 31448 प्रविष्टियां एकत्र की गईं। कर्नाटक (4827), केरल (14591), लक्षद्वीप (106), मध्य प्रदेश (211), महाराष्ट्र (94), मिजोरम (262), नागालैंड (179), पुडुचेरी (18), सिक्किम (119), तमिलनाडु (8588), त्रिपुरा (101), पश्चिम बंगाल (34) और नेपाल (105 नमूने)।

जर्मप्लाज्म का लक्षण वर्णन और मूल्यांकन: खेत की फसलों के 6600 एक्सेसन, बागवानी फसलों के 1463 और फसल पौधों के जंगली रिश्तेदारों के 293 एक्सेसन की पहचान की गई, और बहु-स्थान के तहत भिंडी के 197, हॉर्सग्राम के 300, ग्रीनग्राम के 400 और अरबी के सात एक्सेस का अध्ययन किया गया। मूल्यांकन।

नई टैक्सा वर्णित/नई रिपोर्ट: दस टैक्सा विज्ञान के लिए नए हैं, नामत: एबेल्मोस्कस, एनबीपीजीआरेंसीस विग्ना कोंकनेंसिस, मोमोर्डिका सह्याड्रिका, एम. सबंगुलता सबस्प। सुबंगुलता, कुरकुमा कर्नाटकेन, सी.कुड़गेनसिस एवं आबेलमोंकुस पुंगेनस्वर । मिजोरमेन्सिश का वर्णन किया गया है। कुरकुमा अल्बिफ्लोरा, सी.ओलिगंथा, डायोस्कोरापिस्काटोरम, विग्ना डलज़ेलियाना और ज़िज़िफ़स सबक्रेनर्विया प्रजातियों के विस्तारित वितरण की नौ नई रिपोर्टें बनाई गईं।

कुल 193 प्रजातियाँ 12802 परिग्रहणों को संरक्षण किया गया (फ़ील्ड जीन बैंक और मध्यम अवधि के भंडारण में) और 20634 प्राप्तियों को दीर्घकालिक भंडारण के लिए राष्ट्रीय जीन बैंक को भेजा गया

किस्मों का पंजीकरण और विमोचन: विभिन्न अद्वितीय लक्षणों के लिए आनुवंशिक स्टॉक के रूप में आठ परिग्रहणों को पंजीकृत किया गया। एनबीपीजीआर द्वारा आपूर्ति किए गए जननद्रव्य का उपयोग करते हुए केएयू द्वारा सात किस्में जारी की गईं।

संपर्क कार्यक्रम: प्रजनकों और छात्रों के लाभ के लिए 20 फील्ड दिवस आयोजित किए गए। पीजीआर जागरूकता सृजन के एक भाग के रूप में, 4 जैव विविधता मेले, 5 विविधता प्रशंसा दिवस, किसानों के लिए 7 जमीनी स्तर के प्रशिक्षण आयोजित किए गए।